रणजीत टाइम्स

इंदौर

सोमवार, 13 अक्टूबर, 2025

वर्ष 01 | अंक 253 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

सांसद श्री लालवानी से रेनू कैथवास रणजीत की विशेष मुलाकात-

माँ अहिल्या की प्रतिमा भेंट कर किया सम्मान

रेनू कैथवास

इंदौर। इंदौर की रणजीत टाइम्स न्यूज़ की प्रतिनिधि रेनू कैथवास ने शहर के लोकप्रिय सांसद शंकर लालवानी जी से विशेष मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने माँ अहिल्या देवी होल्कर जी की प्रतिमा भेंट की और इंदौर की सांस्कृतिक पहचान को सलाम किया।

भेंट के मुख्य आकर्षण

माँ अहिल्या प्रतिमा भेंट कर इंदौर की महान परंपरा का किया सम्मान। सांसद शंकर लालवानी ने कहा,"माँ अहिल्या का आशीर्वाद और जनता का विश्वास ही मेरी असली ताकत है।" इस अवसर पर इंदौर के विकास कार्यों, स्वच्छता अभियान और महिला सशक्तिकरण पर चर्चा हुई। कार्यक्रम के दौरान दोनों ने माँ अहिल्या के चित्र के समक्ष नमन किया और इंदौर को और सुंदर व समृद्ध बनाने का संकल्प लिया।

लालवानी-इंदौर की शान

लोकसभा सांसद - इंदौर
(भारतीय जनता पार्टी)
पूर्व अध्यक्ष-इंदौर नगर निगम एवं इंदौर विकास प्राधिकरण (IDA)

ऐतिहासिक विजय

2024 लोकसभा चुनाव में 11.72 लाख वोटों के रिकॉर्ड अंतर से जीते-देश में सबसे अधिक वोटों से विजयी सांसदों में शामिल।

मुख्य योगदान

इंदौर की स्वच्छता मिशन सफलता में नेतृत्व भूमिका। शहर में नर्मदा पाइपलाइन, सड़क चौड़ीकरण और स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स को गति दी। जनता के बीच सुलभ, विनम्र और सक्रिय जनप्रतिनिधि के रूप में पहचाने जाते हैं।

नारी शक्ति ही देश की धुरी हैं : सिंधिया

राजमाता विजयाराजे सिंधिया को नमन कर महिला सशक्तिकरण के लिए औद्योगिक संकल्प लिए

जगदीश पाल

पिछोर,शिवपुरी। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री तथा गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया, ने आज पिछोर में आयोजित महिला सम्मेलन को संबोधित किया। यह सम्मेलन नारी शक्ति के सम्मान और उनके उत्थान को समर्पित रहा, जिसकी शुरुआत में ही मंत्री ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया। उन्होंने मंच पर उपस्थित सभी पुरुष जनप्रतिनिधियों और सदस्यों से अनुरोध किया कि वे नीचे उतर जाएं ताकि मंच पर केवल महिलाएं ही रहें, जिससे नारी शक्ति का वास्तविक वर्चस्व स्थापित हो सके।

राजमाता को नमन कर लिया नारी शक्ति का उत्थान

सिंधिया ने अपनी दादी अम्मा राजमाता विजयाराजे सिंधिया की 106वीं जयंती पर उन्हें याद किया और कहा कि राजमाता ने नारी सशक्तिकरण का झंडा उठाकर देशव्यापी आंदोलन चलाया था। उन्होंने बताया कि राजमाता ने 1965 में महल की 60 एकड़ ज़मीन दान में देकर ग्वालियर में सिंधिया कन्या विद्यालय की शुरुआत की थी। उन्होंने कहा कि उनकी दादी अम्मा में सरस्वती का ज्ञान, माँ दुर्गा के न्याय की शक्ति और माँ लक्ष्मी का प्रेम था, क्योंकि नारी तो हमारी देवियों का ही रूप है। उन्होंने कहा कि आज 'नारी शक्ति' माँ भारती के लिए एक प्रबल पंक्ति के रूप में चल पड़ी है। उन्होंने हंसमुखी, रामदेवी और मुन्नीबाई जैसे स्थानीय उदाहरण दिए, इसके अलावा उन्होंने क्रांति देवी की भी बात की जिन्होंने 329 समूहों की कमान संभालकर 1000 के छोटे निवेश से लाखों की कमाई शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि आप सिर्फ़ जिले की नहीं, आप भारत की कहानी हैं, यह उसी सफ़र की कहानी है जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विकसित और आत्मनिर्भर भारत की ओर ले जा रहे हैं।

पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर साधा करारा निशाना

सिंधिया ने कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकार पर करारा निशाना साधते हुए कहा कि जहाँ कांग्रेस के समय में महिला को 'बोझ' समझा जाता था, वहीं आज मातृशक्ति देश का 'भविष्य' बन गई है। उन्होंने भाजपा सरकार की महिला केंद्रित योजनाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से 12 करोड़ महिलाओं के घर में चूल्हा जल रहा है, और मुद्रा एवं जन-धन योजनाओं से मिले संबल से करोड़ों महिलाएं आजीविका के नए आयाम छू रही हैं। मध्य प्रदेश सरकार भी बेटी को भविष्य मानकर कन्यादान करती है और 21 साल में 'लाड़ली बहना' बन जाती है। उन्होंने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को लेकर खुशी जाहिर की और हास्यपूर्वक कहा कि जल्द ही हम सब सांसद पति और विधायक पति बनकर रह जाएंगे," और "कोई पार्षद पति अलाउड नहीं होगा।

पिछोर को दी औद्योगिक सौगातें

स्थानीय स्तर पर महिलाओं को सीधे रोज़गार देने की प्रतिबद्धता जताते हुए सिंधिया ने दो बड़ी औद्योगिक घोषणाएँ कीं। उन्होंने कहा कि बदरवास में जैकेट का प्लांट लगाया गया है, जिससे हजारों बहनों को सीधा रोज़गार मिलेगा। साथ ही, उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लिए मूंगफली प्रोसेसिंग प्लांट भी लाया जाएगा। सिंधिया ने कहा कि ये दोनों परियोजनाएं न केवल पिछोर और आसपास के क्षेत्रों के औद्योगिक परिदृश्य को बदलेंगी, बल्कि यहाँ की लगभग 18,000 महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की नई दिशा प्रदान करेंगी। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं सशक्त होती हैं, तो परिवार, समाज और राष्ट्र तीनों की प्रगति सुनिश्चित होती है। मेरा संकल्प है कि पिछोर की हर बहन अपने घर में आत्मविश्वास और सम्मान के साथ खड़ी हो सके। कार्यक्रम के अंत में सिंधिया ने क्षेत्रवासियों को आश्वस्त किया कि विकास की यह यात्रा निरंतर जारी रहेगी। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने के लिए, हम हर जिले, हर गाँव और हर व्यक्ति तक प्रगति की किरण पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पिछोर की धरती अब औद्योगिक और सामाजिक विकास का नया केंद्र बनेगी।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के द्वारा अर्रा रोड स्थित संत निरंकारी सेवा सत्संग मैदान पर आयोजित सर्व समाज का दशहरा मिलन समारोह सम्मेलन में प्रदेश भर के हजारों हजार लोग सम्मिलित हुए

दैनिक रणजीत टाइम्स

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व सांसद बृज भूषण शरण सिंह एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष कुं हरिवंश सिंह राष्ट्रीय वरिष्ठ महामंत्री राघवेन्द्र सिंह राजू राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह राठौर का भव्य स्वागत प्रदेश अध्यक्ष कुं मनोज भदौरिया ने 51 किलो की माला पहना कर किया। पूर्व सांसद बृज भूषण शरण सिंह ने दशहरा मिलन समारोह कार्यक्रम को सफल बताया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष कुं हरिवंश सिंह ने एकता पर बल दिया। आयोजक प्रदेश अध्यक्ष कुं मनोज भदौरिया ने कहा कि प्रदेश भर से आए हजारों लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर समाज में अपनी छाप छोड़ने का कार्य किया है। जैसे ही हेलिकाप्टर निरंकारी सत्संग मैदान में उतरा पदाधिकारियों एवं समर्थकों की भारी भीड़ ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। मुख्य रूप से मनोजानंद गोल्डेन बाबा सुखबीर सिंह विनोद सिंह प्रदेश महामंत्री धीरेन्द्र भदौरिया भुनेश्वर सिंह पंकज राजावत देवेंद्र सिंह सनी सेंगर महेंद्र तोमर तिलक चौहान पुष्पेंद्र भदौरिया आकाश भदौरिया यजुवेंद्र सिंह पंकज तोमर वीरपाल सिंह यशपाल सिंह भानु प्रताप सिंह डॉ यू एस सिंह संजय भदौरिया हेमंत सेंगर लाखन सिंह सुजीत सिंह एस के सिंह सूर्य सिंह कुलदीप भदौरिया शिवम राठौर रवि सिंह राकेश राणा आशा सिंह चौहान नीतू सेंगर अंजू सिंह मीरा भदौरिया करिश्मा ठाकुर सहित काफी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे।

इंदौर दूध पाउडर प्लांट का माननीय प्रधानमंत्री ने किया वर्चुअल उद्घाटन

इंदौर सहकारी दुग्ध संघ में 30 मेट्रिक टन प्रति दिवस क्षमता का निर्मित किया गया अत्याधुनिक दूध पाउड प्लांट

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर सहकारी दुग्ध संघ के 30 मेट्रिक टन प्रति दिवस क्षमता के पॉवर प्लांट का वर्चुअल उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा 11 अक्टूबर 2025 को कृषि विज्ञान परिषद पूसा नई दिल्ली से किया गया इस अवसर पर कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री माननीय श्री शिवराज सिंह चौहान मत्स्य पशुपालन एवं डेयरी मंत्री माननीय श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ लल्लन सिंह कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री भागीरथ चौधरी उपस्थित रहे माननीय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जल संसाधन मंत्री माननीय श्री तुलसी सिलावट एमपी सीडीएफ भोपाल के प्रबंधक संचालक डॉक्टर संजय गोवाण ब्रिलिएंट कन्वेंस सेंटर इंदौर से प्रधानमंत्री द्वारा पीएम धन धन योजना के उद्घाटन कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए इस कार्यक्रम में पशुपालन एवं डेयरी विभाग के माननीय मंत्री श्री लखन पटेल इंदौर सहकारी दुग्ध संघ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री बलबीर शर्मा सहित विभागीय अधिकारी गढ़ के अलावा लगभग 700 दुग्ध उत्पादक किसान उपस्थित रहे प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना की सौगात !

प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी की वर्चुअल गरिमा में उपस्थिति में प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का शुभारंभ किया गया आईएफ के अंतर्गत 1068 परियोजनाएं पशुपालन क्षेत्र के अंतर्गत 18 परियोजना मत्स्य पालन क्षेत्र के अंतर्गत 09 परियोजनाएं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के अंतर्गत 16 परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया पशुपालन क्षेत्र के अंतर्गत 01 परियोजना मत्स्य पालन क्षेत्र के अंतर्गत सात परियोजनाएं खाद प्रसंस्करण क्षेत्र के अंतर्गत 01 परियोजना का शिलान्यास किया 76.50 करोड़ कि लागत से बना है !इंदौर सरकारी दुग्ध संघ का नवीन दुग्ध चूर्ण संयंत्र भारत सरकार की नेशनल प्रोग्राम का डेयरी डेवलपमेंट योजना के घातक व सहकारी समिति के माध्यम से देरी के अंतर्गत दूध पाउडर संयंत्र परियोजना की कुल लागत 76. 50 रुपए करोड़ है जिसमे रू 29.50 करोड़ एनडीडीबी के माध्यम से एनपीडीडी कंपोनेंट वी डीटीसी जापान इंटरनेशनल कॉरपोरेशन एजेंसी भारत सरकार की योजना के द्वारा सहायता प्रदान की गई तथा शेष राशि इंदौर सहकारी दुग्ध संघ के स्वयं के स्रोत से की गई है संयंत्र की स्थापना का कार्य भारत सरकार की कंपनी मैटर्स हिंदुस्तान मशीन टूल्स से कराया गया इस संयंत्र के माध्यम से हो ले मिल्क पाउडर स्कीम मिल्क पाउडर तथा डेयरी व्हाइटनर इत्यादि निर्मित किए जाएंगे ! स्कडा स्वचालित आधुनिक संयंत्र यह दूध पाउडर संयंत्र स्काडा(प्लांट पर्यवचीय नियंत्रण और डाटा अधिग्रहण) स्वचालित है ! यह कंप्यूटर आधारित प्रणाली है ! जिसका उपयोग औद्योगिक उपकरणों और प्रक्रियाओं की निगरानी करने डाटा एकत्रित करने और उन्हें नियंत्रित करने के लिए किया जाता है जिसमें प्रतिदिन 3 लाख लीटर दूध से लगभग 30 मेट्रिक टन प्रति दिवस दुग्ध चरण का निर्माण किया जाएगा प्लस सीजन में प्रतिदिन अतिशेष रहने वाले दूध का पूर्ण उपयोग किया जावेगा इससे अधिक से अधिक मात्रा में किसानों से दूध करे किया जावेगा तथा अतिशेष दूध का निस्तारण किया जावेगा जिससे दुग्ध उत्पादक किसानों की आय में वृद्धि होगी !

अनेक प्रकार के दुर्व्यसनों तथा नशे की आदत से मुक्ति दिलाता है सहजयो

न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते।
तत्स्वयं योगसंसिद्धः कालेनात्मनि विन्दति।।

भगवद्गीतापरम पूज्य श्री माताजी प्रणीत सहयोग हमें शुद्ध पवित्र निर्मल आत्मज्ञान प्रदान करता है भगवत गीता से लिए गए उपरोक्त श्लोक का अर्थ है कि इस संसार में आत्मज्ञान से बढ़कर के समान पवित्र निसंदेह कुछ भी नहीं इस ज्ञान को कितने ही कल से कर्मयोग द्वारा शुद्ध अंतःकरण प्राप्त करने वाला मनुष्य अपने आप ही आत्मा में पा लेता है। परम पूज्य श्री माताजी कहते हैं कि आपका कर्मफल पूर्ण होने का समय आ गया है। जब कोई भी साधक श्री माताजी के समक्ष बैठकर आत्मसाक्षात्कार मांगता है तथा सभी को क्षमा कर अपना हृदय स्वच्छ कर अपना चित्त सहस्त्रार चक्र पर स्थिर कर कुछ क्षण शांत बैठता है तो उसके पिंड में स्थित शक्ति वायु रूप लेकर रीढ़ की हड्डी के समानांतर स्थित सुषुम्ना नाड़ी से प्रवाहित होती है और उसके हाथों से शीतल चैतन्य लहरियां बहने लगतीं हैं। इन शीतल चैतन्य लहरियों का अनुभव ही आत्मसाक्षात्कार प्राप्ति का संकेत होता है।

तत्पश्चात् नियमित ध्यान से जब आपकी कुंडलिनी मां भवसागर को पार करती है तो धर्म आपके हाथों से चैतन्य लहरियों के रूप में प्रवाहित होने लगता है । इस चैतन्य में धर्म को स्थापित करने की क्षमता होती है। इस प्रकार का साधक श्री माताजी की आज्ञा से किसी भी तत्व को चैतन्यित कर सकता है। इस चैतन्य का उपयोग जल के माध्यम से करना अत्यंत सहज, सरल व प्रभावशाली होता है। श्री माताजी के समक्ष चैतन्यित जल को जब कोई व्यक्ति ग्रहण करता है तो धर्म स्वयं ही उसके भीतर जागृत हो जाता है तथा उचित - अनुचित का भेद स्पष्ट होने लगता है। ऐसा व्यक्ति किसी भी प्रकार के नशे जैसे शराब, तंबाकू, ड्रग्स आदि का त्याग बड़ी ही आसानी से कर देता है। इस चैतन्यित जल का प्रयोग करने से हमारे सूक्ष्म शरीर में चक्रों व नाड़ियों में संतुलन स्थापित होता है जिससे अनेक प्रकार के रोग सहजता से ठीक हो जाते हैं। अनगिनत उदाहरण सहजयोग में मौजूद हैं जिसमें साधकों ने सहजयोग के नियमित अभ्यास द्वारा अनेक साध्य व असाध्य रोगों से मुक्ति प्राप्त की है। परंतु सहजयोग कोई झाड़ फूंक अथवा तंत्र - मंत्र द्वारा रोगों को ठीक करने की संस्था नहीं है। सहजयोग सनातन ऋषियों की वैज्ञानिक पद्धति का सर्वोच्च ज्ञान है जिसका मुख्य व एकमात्र उद्देश्य आत्मज्ञान की प्राप्ति है । सूक्ष्म शरीर का ज्ञान तथा नियमित ध्यान अभ्यास से जो संतुलन हमारे भीतर स्थापित होता है उसका सह उत्पाद रोगों से मुक्ति है। इस प्रकार श्री माताजी प्रणित सहजयोग अपना अंतरंग स्वच्छ कर हमें सकारात्मक ढंग से पूर्ण परिवर्तित कर जीवन का उच्चतम आनंद प्रदान करता है। अपने आत्म साक्षात्कार को प्राप्त करने हेतु अपने नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं ।

रणजीत टाइम्स

माँ महाकाली का भव्य चल समारोह एवं महाप्रसादी सम्पन्न

रणजीत टाइम्स

इंदौर के महालक्ष्मी नगर में शुक्रवार, 10 अक्टूबर 2025 को माँ महाकाली भाव चल समारोह एवं महाप्रसादी का आयोजन अत्यंत श्रद्धा और भव्यता के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता नीलम सतीश पवार, अध्यक्ष-श्रीमंत योगी छत्रपति शिवाजी महाराज विचार मंच, इंदौर ने की। चल समारोह में माताजी की सुसज्जित पालकी, कलश यात्रा, तथा सांस्कृतिक झांकियाँ विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। भक्तों ने माता के विविध रूपों की आराधना की और पूरे क्षेत्र में "जय माँ महाकाली" के जयघोष गूंजते रहे। मुख्य अतिथि के रूप में विधायक श्री रमेश मेंदोला जी ने उपस्थिति दर्ज की और माँ महाकाली की आरती कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित हुए। विशेष उल्लेखनीय-रंजीत टाइम्स की ओर से सह संपादक दीपक वाडेकर भी व्यवस्था के साथ उपस्थित रहे और सम्पूर्ण आयोजन का निरीक्षण किया। अंत में महा आरती के उपरांत सभी भक्तों को महाप्रसादी वितरित की गई। पूरा वातावरण भक्तिमय और दिव्य बना रहा।

संपादकीय | अब भी बाकी है मतदाता सूची से जुड़े सवाल...!

बिहार में विधानसभा चुनावों की घोषणा हो चुकी है, लेकिन अब भी मतदाता सूची से जुड़े सवालों के संतोषजनक जवाब सामने नहीं आ सके हैं। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट को इस संबंध में निर्वाचन आयोग को निर्देश जारी करने की जरूरत पड़ रही है। हालांकि अदालत की ओर से दिए गए निर्देश आयोग के अपने दायित्व में शामिल होने चाहिए थे। हाल ही में निर्वाचन आयोग ने गहन पुनरीक्षण की कवायद के बाद अंतिम मतदाता सूची जारी की थी। अब उसमें बाहर किए गए मतदाताओं की संख्या और उनके अधिकारों को लेकर फिर से सवाल उठे हैं।

सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को हुई सुनवाई के दौरान अदालत ने साफ कहा कि अंतिम मतदाता सूची से जिन तीन लाख छियासठ हजार लोगों के नाम हटाए गए हैं, उन सबको अपील करने का उचित अवसर दिया जाए। अदालत के मुताबिक, प्रभावित लोगों के पास सिर्फ एक पंक्ति का कोई जटिल आदेश नहीं, बल्कि विस्तृत ब्योरा होना चाहिए कि उनके नाम क्यों शामिल नहीं किए गए।

देश में बहुत सारे लोगों के लिए सरकारी आदेशों की जटिल भाषा समझना कोई आसान काम नहीं है। सिर्फ इस वजह से कितने लोग अपने वाजिब और कानूनी अधिकारों से वंचित हो जाते हैं, यह शोध का विषय है। ऐसे में जब चुनाव के दिन अब बहुत कम रह गए हैं, निर्वाचन आयोग की ओर से आम लोगों को किसी ऐसी भाषा में आदेश दिया जाता है, जो उनकी स्थिति की सटीक और आसान व्याख्या नहीं करता है या वे उससे संतुष्ट नहीं होते हैं, तो उन्हें समझने के लिए आयोग ने क्या व्यवस्था की है।

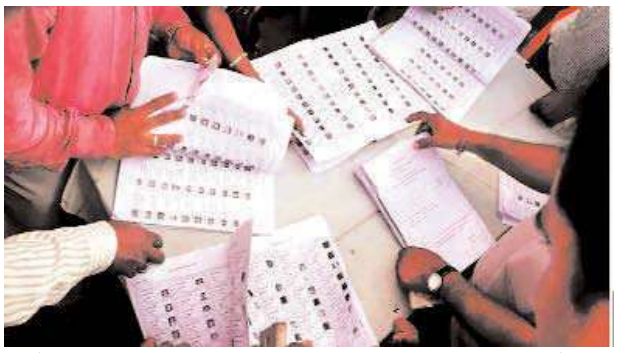

यों भी, अगर किसी व्यक्ति को यह जानकारी नहीं है कि उसका नाम मतदाता सूची से क्यों हटाया गया, तो इस मसले का हल नहीं निकल सकता। फिर अंतिम सूची से हटाए गए वैसे बहुत सारे लोग हैं, जिनकी आर्थिक स्थिति या फिर जागरूकता का स्तर यह नहीं है कि वे कानूनी सहायता लेकर अपनी मुश्किल को दूर करने की कोशिश करें। शायद इसी को ध्यान में रखते हुए शीर्ष अदालत ने बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण से अपने जिला स्तरीय निकायों को यह निर्देश जारी करने को कहा कि वे मतदाता सूची से बाहर किए गए सभी मतदाताओं को निर्वाचन आयोग में अपील दायर करने के लिए मुफ्त कानूनी सहायता करें।

विडंबना यह है कि मतदाता सूची में सिर्फ पात्र और वैध मतदाताओं का नाम बने रहने की जिस कवायद को पूरी तरह विवादरहित होना चाहिए था, वह कई तरह के आरोपों में घिरी दिखती है और एक तरह से यह राजनीतिक मुद्दा बन गई। मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के संदर्भ में विदेशियों के होने का भी मुद्दा उठा था। अब अंतिम सूची जारी होने के बाद निर्वाचन आयोग से अगर यह पूछा जा रहा है कि कितने विदेशी लोग पाए गए, तो यह अप्रत्याशित नहीं है।

इसके अलावा, अब भी एक ही पते पर कई-कई मतदाताओं के नाम दर्ज होने से लेकर गलत मकान नंबर, अस्पष्ट नाम आदि प्रविष्टियों में गंभीर चूक को लेकर सवाल उठ रहे हैं। ऐसे में यह सोचने की जरूरत है कि मतदाता सूची के पूरी तरह शुद्धिकरण के दावे के साथ निर्वाचन आयोग ने गहन पुनरीक्षण की जो कवायद की, उसका हासिल क्या रहा है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि मतदाता सूची में बने रहने के लिए निर्वाचन आयोग ने जिस तरह आधार कार्ड को अमान्य कर दिया था, अगर सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप से उसे एक स्वीकार्य दस्तावेज नहीं बताया गया होता, तो कितने और लोग मतदाता सूची से बाहर होते।

देश-दुनिया की निगाहे माइनिंग सेक्टर तो एग्रेसिव मोड पर राजस्थान

खनिज क्षेत्र से जुड़े 7 प्रमुख सेक्टरों में से पहले एक्सप्लोरेशन व ऑक्शन का बनाया गया है। इस दल द्वारा कोमोडिटी, मिनरल ग्रेड, खनन के प्रकार सहित विभिन्न बिन्दुओं पर कार्य करेगी। यह दल जीएसआई सहित तकनीकी विशेषज्ञों से समन्वय बनाते हुए एक्सप्लोरेशन से ऑक्शन आदि संबंधित कार्यों को और अधिक प्रभावी गति दी जा सकेगी। इसी तरह से ऑक्शन किये गये माइनर और मिनरल ब्लॉकों को जल्द से जल्द परिचालन में लाने के लिए संबंधित स्टेक होल्डर्स व खान विभाग सहित संबंधित विभागों से समन्वय बनाते हुए आवश्यक अनुमतियां दिलाने में सहयोग के साथ ही शीघ्र परिचालन में लाने का कार्य करेगी। विभाग का जोर खनन क्षेत्र में राजस्व बढ़ाने और राजस्व में किसी भी तरह की छीजत को रोकना भी है और इसके लिए एक दल को मोनेटरिंग सहित आवश्यक सभी जिम्मेदारियां दी गई है।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बौखलाहट से एक बात साफ हो जानी चाहिए कि आज अमेरिका ही नहीं दुनिया के अन्य देशों के लिए भी धरती के गर्भ में समाई खनिज संपदा महत्वपूर्ण हो गई है। अमेरिका चाहे यूक्रेन पर दबाव बना रहा हो या कनाड़ा को राज्य के रुप में घोषित कर अमेरिका में मिलाने की छटपटाहट हो या अन्य देशों की और भ्रकुटी तानने या मेल मिलाप के प्रयास हो सब कुछ इस खनिज संपदा को लेकर ही है। आज चाइना की मोनोपोली देखने को मिल रही है उसका बड़ा कारण भी उसके पास रेयर अर्थ एलिमेंट सहित आज के बदलते युग की मांग को पूरी करने वाली पुरासंपदा के अथाह भण्डार के कारण ही है। ऐसे में वैसे तो दुनिया के देश खनि संपदा को लेकर गंभीर है वहीं हमारे देश में भी केन्द्र और राज्य सरकारें खनिज खोज, खनन और खनिज आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने की कमर कस ली है। ऐसे में राजस्थान सरकार भी माइनिंग सेक्टर प्रोएक्टिव भूमिका निभाते हुए आगे आया है। वर्तमान सरकार खासतौर से मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को खनन क्षेत्र में राजस्थान को अग्रणी प्रदेश बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। राजस्थान की सरकार द्वारा योजनाबद्ध प्रयासों के तहत प्रदेश में खनिज से जुड़े सभी पहलूओं के योजनाबद्ध क्रियान्वयन, समन्वय, प्रबंधन, प्रभावी मोनेटरिंग, एक्सप्लोरेशन, राजस्व, निवेश एवं रोजगार बढ़ोतरी, सस्टेनेबल माइनिंग, माइनिंग सेक्टर में देश दुनिया में हो रहे नवाचार और नवीनतम तकनीक और उसके प्रदेश में उपयोग सहित विभिन्न बिन्दुओं को लेकर विभाग द्वारा उच्चस्तरीय परियोजना मोनेटरिंग इकाई (पीएमयू) का गठन किया है। माना जा रहा है कि प्रदेश में क्रिटिकल एवं स्ट्रेटेजिक खनिजों के साथ ही प्रधान व अप्रधान खनिजों के विपुल भण्डारों को देखते हुए पीएमयू के गठन से खनिज क्षेत्र को और अधिक गतिशील बनाया जाएगा। इससे खानें जल्दी परिचालन आने के साथ ही निवेश एवं रोजगार के अवसर बढेंगे। वैसे भी आने वाले समय में माइनिंग सेक्टर की भूमिका में बड़ा बदलाव आने लगा है। अमेरिकी राष्ट्रप्रति ट्रंप की छटपटाहट से इसे आसानी से समझा जा सकता है। अमेरिका कभी कनाडा को अमेरिका का राज्य ही बनाने में जुटा है तो यूक्रेन की खनिज संपदा अपने नाम करवाने या रुस पर दबाव बनाने के पीछे धरती के गर्भ में समाई खनिज संपदा ही है। खनिज संपदा पर आज दुनिया के देशों की नजर है। चीन के वर्चस्व का बड़ा कारण उसका आरईई सहित खनिज संपदा पर एकाधिकार ही है और आज चीन के इस वर्चस्व को कम करने में ही जुटे हुए हैं। खैर यह विषयांतर होगा पर एक बात साफ है कि माइनिंग सेक्टर में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व व मार्गदर्शन में तेजी से काम होने लगा है और राजथान ऑक्शन सहित रेवेन्यू अर्जन विकास दर आदि में अव्वल हो गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा माइनिंग सेक्टर में विपुल

संभावनाओं को देखते हुए राजस्थान के माइनिंग सेक्टर को देश में अग्रणी राज्य बनाने पर जोर देते रहे हैं। नई खनिज नीति, एम-सेण्ड नीति, रिप्स में सहायता प्रावधान, एमनेस्टी योजना सहित प्रक्रिया के सरलीकरण और खनन क्षेत्र विकास के महत्वपूर्ण कदम उठाये गये हैं। पीएमयू के गठन के साथ ही खनन क्षेत्र से जुड़ी प्रमुख गतिविधियों को 7 सेक्टरों में चिन्हित किया गया है।

प्रमुख सचिव माइन्स टी रविकान्त का मानना है कि सभी क्षेत्रों में समन्वित व तेजी से विकास के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को जोड़ते हुए पीएमयू का गठन किया गया है जिससे योजनाबद्ध तरीके से तेजी से आगे बढ़ा जा सके। एक्सप्लोरेशन, ऑक्शन, शीघ्र परिचालन, रिसर्च एवं डव्लपमेंट, जीरो लॉस माइनिंग, इकोटूरिज्म की संभावनाओं, पेपरलेस सहित विभिन्न गतिविधियों का समावेश किया गया है। विभाग के वरिष्ठ व विशेषज्ञ अधिकारियों को प्रभारी अधिकारी बनाया गया है।

खनिज क्षेत्र से जुड़े 7 प्रमुख सेक्टरों में से पहले एक्सप्लोरेशन व ऑक्शन का बनाया गया है। इस दल द्वारा कोमोडिटी, मिनरल ग्रेड, खनन के प्रकार सहित विभिन्न बिन्दुओं पर कार्य करेगी। यह दल जीएसआई सहित तकनीकी विशेषज्ञों से समन्वय बनाते हुए एक्सप्लोरेशन से ऑक्शन आदि संबंधित कार्यों को और अधिक प्रभावी गति दी जा सकेगी। इसी तरह से ऑक्शन किये गये माइनर और मिनरल ब्लॉकों को जल्द से जल्द परिचालन में लाने के लिए संबंधित स्टेक होल्डर्स व खान विभाग सहित संबंधित विभागों से समन्वय बनाते हुए आवश्यक अनुमतियां दिलाने में सहयोग के साथ ही शीघ्र परिचालन में लाने का कार्य करेगी। विभाग का जोर खनन क्षेत्र में राजस्व बढ़ाने और राजस्व में किसी भी तरह की छीजत को रोकना भी है और इसके लिए एक दल को मोनेटरिंग सहित आवश्यक सभी जिम्मेदारियां दी गई है। डीएमएफटी के कार्य को गति देने और राशि के बेहतर उपयोग की मोनेटरिंग की जिम्मेदारी सौंपते हुए डीएमएफटी फण्ड के अन्य प्रदेशों में उपयोग को लेकर अध्ययन सहित योजना, क्रियान्वयन व मोनेटरिंग का फ्रेमवर्क तैयार करने को कहा गया है। राज्य सरकार का सस्टेनेबल माइनिंग पर जोर रहने के साथ ही बदलते परिवेश में यह आवश्यक भी हो गया है। सस्टेनेबल माइनिंग और ऑटोमेशन और तकनीक सेक्टर दल द्वारा स्टार रेटिंग, बंद व कार्य नहीं कर रही खानों में इको टूरिज्म की संभावनाओं व क्रियान्वयन, डम्प ओवरवर्डन आदि के रिसाइक्लिनिंग व उपयोग, श्रेष्ठ कार्य करने वाली खानों को प्रोत्साहित करने के साथ ही विभागीय सिस्टम को नई तकनीक से जोड़ने और पेपरलेस करने की दिशा में कार्य दिया गया है। इसी तरह से खनिज क्षेत्र में शोध एवं विकास को बढ़ावा देने, अधिकारियों के रिओरियेंटेशन, खनन क्षेत्र से जुड़े स्टेक होल्डर्स व विभाग के बीच साझा मंच उपलब्ध कराने, देश दुनिया में तकनीक में आ रही बदलाव से रुबरु कराने सहित इस तरह के कार्यों के लिए कॉन्क्लेव, सेमिनार, संगोष्ठियां, प्रशिक्षण कार्यक्रम की रुपरेखा व आयोजन का कार्य किया जाएगा। राज्य सरकार ने पीएमयू गठित कर जिम्मेदारी तय करने के साथ ही सरकार की ईच्छा शक्ति स्पष्ट कर दी है। अब पीएमयू टीम को जी जान से जुटते हुए माइनिंग के सभी क्षेत्रों में अग्रणी बनाने के लिए जुट जाना होगा।

माइनिंग सेक्टर आज देश दुनिया में महत्वपूर्ण सेक्टर हो गया है। ऐसे में राजस्थान सरकार द्वारा प्रोएक्टिव रोल अपनाने की पहल निश्चित रुप से समय की मांग के अनुकूल है। केन्द्र सरकार भी गंभीर है और क्रिटिकल व स्ट्रेटेजिक खनिजों की नीलामी का काम तो केन्द्र सरकार ने अपने हाथों में ले लिया है। इसी तरह से केन्द्र सरकार ने मोनेटरिंग सिस्टम को मजबूत करने के साथ ही प्रोत्साहन के रुप में परफोरमेंस के आधार पर खानों की रेटिंग कर पुरस्कृत करने की पहल की है जिससे स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा को माहौल बना है। राजस्थान सरकार ने भी रेटिंग सिस्टम अरंभ करने की पहल की है।

नकली क्राइम ब्रांच बनकर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, 3 गिरफ्तार

- ट्रेडिंग अकाउंट से 5 लाख ट्रांसफर कराए, पिता-पुत्र को धमकाया

इंदौर। नकली क्राइम ब्रांच अधिकारी बनकर घर में घुसने, मारपीट करने और धमकाकर करीब 5 लाख रुपए की ठगी करने वाले तीन बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। फरियादी स्नेह परमार की रिपोर्ट पर क्राइम ब्रांच ने मामला दर्ज किया था।

यह घटना 9 अक्टूबर की शाम छह से सात बजे के बीच आवेदक के घर पर हुई थी। आरोपी दीपक तिवारी और नीरज तिवारी (निवासी लहिया कॉलोनी, हीरानगर) और अमन लखिया (निवासी स्कीम नंबर 54) क्राइम ब्रांच अधिकारी बनकर घर में घुसे। उन्होंने आवेदक और उसके पिता से मारपीट की और दोनों को जबरन गाड़ी में बैठाकर लसूड़िया क्षेत्र ले गए, साथ ही झूठे केस में जेल भेजने की धमकी दी। डर का फायदा उठाते हुए आरोपियों ने आवेदक के मोबाइल से उसके ट्रेडिंग अकाउंट के लगभग 5,12,000 एक अन्य खाते में ट्रांसफर कराए और आगे की कार्रवाई रोकने के लिए और रकम की मांग की। शिकायत मिलते ही पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में खातों को फ्रीज कर तकनीकी विश्लेषण के आधार पर तीनों को गिरफ्तार किया गया।

जांच में पता चला कि दीपक तिवारी पर 15 तथा नीरज तिवारी पर 13 पूर्व अपराध दर्ज हैं। तीनों आरोपी प्रॉपर्टी दलाली और मोबाइल रिपेयरिंग का काम करते हैं और उनकी पढ़ाई 10वीं-12वीं तक ही हुई है। पूछताछ में उन्होंने बताया कि वे स्नेह परमार की ट्रेडिंग कमाई पर नजर रखे हुए थे और योजनाबद्ध तरीके से वारदात को अंजाम दिया। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

पत्नी की आत्महत्या पर पति पर उकसाने का मामला दर्ज हुआ

- घटना वाले दिन भी प्रेमिका को लेकर विवाद किया

इंदौर। राऊ की न्यू ब्रज विहार कालोनी में गुरुवार को हुए दर्दनाक घटना में मां और बेटे की मौत हो गई थी। मां सुमन ने अपने पांच माह के बेटे प्रथम को गोद में बैठाकर एसिड छिड़क लिया था। मामले में पुलिस ने सुमन के पति पर आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज कर लिया है।

घटना वाले दिन पति ने अपनी कथित प्रेमिका को लेकर पत्नी से विवाद किया था। विवाद से क्षुब्ध होकर महिला ने उक्त कदम उठाया था। घटना गुरुवार शाम की है। दोनों को इलाज के लिए चोइथराम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां रात में बेटे की मौत हो गई, जबकि शुक्रवार दोपहर महिला ने भी दम तोड़ दिया। दोनों के शव पोस्टमॉर्टम जिला अस्पताल में कराया गया है। इसके बाद दोनों का अंतिम संस्कार भी कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, एसिड से घायल सुमन 2 घंटे से ज्यादा समय तक अस्पताल में तड़पती रही। उसे निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। रिश्तेदारों का आरोप है कि पति कैलाश के अन्य युवतियों से संबंध थे। इसी को लेकर उसकी सुमन से अनबन होती रहती थी और वह पत्नी से दूरी बनाकर रखता था।

भोपाल की रहने वाली थी सुमन- मृतका सुमन मूल रूप से भोपाल की रहने वाली थी। विवाद के बाद भोपाल से उसका भाई जीजा को समझाने इंदौर भी आया था। उसे हाई शुगर थी। इसके बाद भी उसका पति ध्यान नहीं देता था और झगड़ा करता था। आरोप है कि पति उसे काफी प्रताड़ित करता था। सुमन का पति कैलाश एक कारखाने में सिलाई का काम करता है। मृतका और उसका परिवार मूल रूप से भोपाल का रहने वाला है। दोनों की शादी साल 2023 में हुई थी।

चेटिंग और कॉल मिले- पुलिस ने आरोपी के मोबाइल को चेक किया तो उसमें कई लड़कियों के चेटिंग और काल मिले। पूछने पर आरोपी ने बताया कि वह जहां कपड़े सीलने जाता है, वहीं पर 3 युवतियों से उसके संबंध थे। एक युवती शादी करना चाहती थी, लेकिन पत्नी सुमन के कारण मैं शादी नहीं कर पा रहा था। युवती लगातार दबाव बना रही थी, परेशान होकर मैंने सुमन को प्रताड़ित किया, ताकि वह घर छोड़कर चली और मैं प्रेमिका से शादी कर सकूं।

उसे सुमन पसंद नहीं - आरोपी ने बताया कि वह सुमन से शादी नहीं करना चाहता था। वह पसंद नहीं थी। परिजनों ने जबरन शादी कराई तो मैं उसके साथ पति जैसा नहीं रहता था। दिखावे के लिए रूम में जाता था। बच्चा होने के बाद भी मुझे सुमन से लगाव नहीं था। बच्चे को कभी गोद में नहीं लिया। इससे भी सुमन नाराज रहती है। सुमन को प्रेमिका का पता चल गया था, उसे डर था कि मैं प्रेमिका को घर नहीं ले आऊं, इसलिए वह मायके नहीं जाती थी।

दिवाली से पहले बिजली मेंटेनेंस तेज, कई क्षेत्रों में 3 घंटे बत्ती गुल

● बारिश के बाद पेड़ों की शाखाओं से फॉल्ट का खतरा बढ़ा

इंदौर। लगातार हुई बारिश के कारण शहर में बिजली खंभों और ट्रांसफार्मरों के आसपास पेड़ों की डालियां और लताएं काफी बढ़ गई है, जिससे फॉल्ट की संभावना बढ़ गई है। दीपावली से पहले इस खतरे को ध्यान में रखते हुए बिजली कंपनी ने आफ्टर मानसून मेंटेनेंस अभियान शुरू कर दिया है। इसके तहत शहर के कई इलाकों में सुबह के समय दो से तीन घंटे शटडाउन रहेगा।

दीपावली की तैयारियों में लोग सुबह से ही सफाई और सजावट में जुटे रहते हैं, ऐसे में अचानक बिजली बंद होने से उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बिजली कंपनी के अधीक्षण यंत्री डीके गाठे ने बताया कि बारिश के बाद पेड़ों की शाखाएं और पत्ते बिजली तारों से टकरा रहे हैं। इससे शॉर्ट सर्किट और फॉल्ट की घटनाएं हो सकती हैं। इसी वजह से दीपोत्सव से पहले मेंटेनेंस तेजी से किया जा रहा है।

इंदौर शहर के पांचों डिवीजनों में 4 से 6 फीडरों पर सफाई और वायरिंग दुरुस्ती का काम एक सप्ताह पहले शुरू किया गया था। इसे एक सप्ताह और जारी रखा जाएगा। शेष कार्य दीपावली के बाद किया जाएगा ताकि त्योहार के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति बनी रहे। प्रभावित क्षेत्र रहे एमओजी लाइन, समाजवाद नगर, महू नाका, अर्जुनपूरा, लालबाग, माली मोहल्ला, समाजवादी इंदिरा नगर, स्वस्तिक नगर सहित आसपास के क्षेत्र।

करंट लगने से मदरसे में छात्र की मौत

इंदौर। खजराना इलाके के मदरसे में करंट लगने से नाबालिग छात्र की मौत के मामले में चौंकाने वाली लापरवाही सामने आई है। पुलिस जांच में यह बात स्पष्ट हुई कि हादसा मदरसा प्रबंधन की गंभीर लापरवाही के चलते हुआ। यह घटना 18 मई को नूरी मदरसा खजराना में हुई थी। मृतक छात्र की पहचान 16 वर्षीय जाहिद पिता शाकिर खान निवासी सांवेर के रूप में हुई है। जाहिद के साथ उसका छोटा भाई भी इसी मदरसे में पढ़ाई करता है, जबकि माता-पिता सांवेर में रहते हैं। पिता मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। घटना के दिन जाहिद ने मदरसे के बाथरूम में अपने कपड़े धोए और सुखाने के लिए तीसरी मंजिल पर चला गया। तभी हवा में उड़कर उसका कपड़ा पास के पेड़ की टहनी पर जा अटका, जो हाई टेंशन लाइन के बेहद करीब था। कपड़ा निकालने की कोशिश में जाहिद हाई टेंशन तार की चपेट में आ गया। तेज करंट लगने से उसके कपड़ों में आग लग गई और वह गंभीर रूप से झुलस गया। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी।

कार में लाए थे मादक पदार्थ, धरा गए

इंदौर। नशे से दूरी है जरूरी अभियान को धता बताकर तस्कर लगातार मादक पदार्थों की खरीद फरोख्त में लगे हुए हैं। इसी क्रम में द्वारकापुरी पुलिस ने हुंडई कार से मादक पदार्थ बेच रहे दो युवकों को पकड़ा है। पुलिस को सूचना मिली थी कि फूटीकोठी के समीप कार क्रमांक एमपी-09-एपी-7020 में दो युवक अफीम लेकर ग्राहक के इंतजार में बैठे हैं। सूचना पर तत्काल पुलिस मौके पर पहुंची और वहां से 463 ग्राम अफीम के साथ आलोक पिता राधेश्याम वर्मा निवासी विदुर नगर तथा कमल पिता सिंहनाथ पटेल निवासी सेटेलाइट कालोनी बिजलपुर को पकड़ा। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पटेल ब्रिज इलाके में नो पार्किंग पर खड़े वाहनों को हटाया गया

- एक सप्ताह में ट्रैफिक पुलिस की दूसरी बार कार्रवाई

इंदौर। ट्रेफिक पुलिस लगातार नो पार्किंग में खड़े वाहनों पर कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में शनिवार को पटेल ब्रिज से वाहनों को हटाया। एस सप्ताह पहले भी यहां से वाहनों को खदेड़ा गया था।

कार्रवाई के दौरान ट्रैफिक पुलिस की क्रेन-सपोर्ट टीम मौके पर पहुंची। सबसे पहले माइक के माध्यम से घोषणाएं कर वाहन चालकों को सूचित किया गया कि वे अपने वाहन तत्काल हटा लें। इसके बाद भी जो वाहन नो

पार्किंग क्षेत्र में खड़े पाए गए, उन्हें क्रेन की सहायता से हटाया गया और चालकों पर नियमानुसार जुमार्ना भी लगाया गया। सहायक पुलिस आयुक्त हिंदू सिंह मुवेल ने बताया कि पटेल ब्रिज क्षेत्र एक अत्यधिक व्यस्त मार्ग है, जहाँ किसी भी वाहन के अव्यवस्थित खड़े होने से यातायात बाधित होता है और जाम की स्थिति बनती है। इसलिए लगातार ऐसी कार्रवाई की जा रही है ताकि आमजन को निर्बाध और सुरक्षित आवागमन मिल सके। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे नो पार्किंग क्षेत्र में वाहन खड़ा न करें। यातायात व्यवस्था में सहयोग कर शहर को जाम मुक्त और सुरक्षित बनाने में भागीदार बनें।

दिल्ली चिड़ियाघर में वन्य जीवों की अठखेलियों का कर सकेंगे दीदार

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के चिड़ियाघर को आम दर्शकों के लिए खोलने के लिए तैयारी है। अधिकारिक बयान में कहा गया है कि जू में कोई एक्टिव वायरस मौजूद नहीं है, लेकिन एहतियात के तौर पर उचित निर्देशों का पालन करते हुए 2 और निगरानी नमूने लिए जाएंगे। इनकी जांच की जाएगी। इनके परिणाम के आधार पर चिड़ियाघर को 30 अक्टूबर के बाद आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा।

बता दें कि दो जांघिलों के एच5एन1 बर्ड फ्लू वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि होने के बाद दिल्ली चिड़ियाघर को 30 अगस्त से अगले आदेश तक दर्शकों के लिए बंद रखने का निर्णय लिया गया था। इसके बाद चिड़ियाघर प्रशासन ने बीमारी

अन्य पक्षियों, जानवरों या चिड़ियाघर के कर्मचारियों में ना फैले इसके लिए सख्त सुरक्षा उपाय लागू कर दिए थे।

27 अगस्त को दोनों मृत पक्षियों के नमूने भोपाल स्थित राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान (एनआईएचएसएडी) भेजे गए थे। 28 अगस्त को जांच रिपोर्ट आई थी जिनमें दोनों की मौत एच5एन1 वायरस की वजह से होनी बताई गई थी। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, एवियन इन्फ्लूएंजा-ए (एच5एन1) इन्फ्लूएंजा वायरस का एक सब वैरिएंट है। यह खासतौर पर पक्षियों को संक्रमित करता है। दुर्लभ मामलों में यह इंसानों को भी प्रभावित कर सकता है। पहली सितंबर को आई रिपोर्ट में कहा गया था कि 'बर्ड फ्लू' के संक्रमण के कारण 12 पक्षियों की मौत के बाद जू में निगरानी के साथ सुरक्षा उपाय बढ़ा दिए गए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि निगरानी दल दिन में जू को कीटाणुमुक्त करने की दिशा में लगातार कदम उठा रहे हैं। सीसीटीवी कैमरों से वन्य जीवों पर नजर रखी जा रही है। कर्मचारियों को भी मास्क, दस्ताने, सुरक्षात्मक सूट उपलब्ध कराए गए हैं।

11 कोरोना योद्धाओं के परिवार को एक-एक करोड़ का चेक, सीएम रेखा गुप्ता ने कहा- आगे भी मदद को तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को कोविड महामारी के दौरान अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए जीवन गंवाने वाले 11 सरकारी कर्मियों के परिजनों को एक -एक करोड़ की सहायता राशि के चेक प्रदान किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सिर्फ आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि उनके प्रति हमारी गहरी कृतज्ञता और विनम्र श्रद्धांजलि है। इन कर्मवीरों का साहस और निस्वार्थ सेवा सदा हमारे दिलों में अमर रहेगी और आने वाली पीढ़ियों को कर्तव्य, करुणा और समर्पण की प्रेरणा देती रहेगी। किसी व्यक्ति की जान का मूल्य कोई सरकार नहीं चुका सकती, लेकिन सरकार का कर्तव्य है कि ऐसे परिवारों को हर संभव सहायता मिले। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दिल्ली सरकार के लिए गर्व की बात है कि कोविड काल में अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठा दिखाने वाले इन कर्मवीरों के परिवारों को अब सम्मानपूर्वक उनका हक मिला है। मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि दिल्ली सरकार ने सदैव 'पीपल फर्स्ट' के सिद्धांत को अपनी कार्यशैली का मूल आधार बनाया है। उन्होंने कहा कि सरकार न केवल आर्थिक सहायता बल्कि अन्य जरूरतों व समस्याओं में भी इन परिवारों के साथ खड़ी रहेगी। इस अवसर पर दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह भी उपस्थित थे मुख्यमंत्री गुप्ता ने जिन दिवंगत कर्मियों के परिवारों को अनुग्रह राशि प्रदान की, उनमें श्री वी. नंगथनलियान (वाणिज्य एवं कर विभाग), श्रीमती राजबाला गर्ग (जीटीबी अस्पताल), डॉ. नवीन राम (बीएसएफ), डॉ. विजय सिंह राजन (बीएसएफ) और श्री अरुण सूद (डीएचएस) शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन कर्मवीरों की निष्ठा और सेवाभाव दिल्ली के इतिहास के सबसे उज्ज्वल अध्यायों में दर्ज रहेंगे।

कुमार सानू पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए पहुंचे दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। मशहूर गायक कुमार सानू ने अपनी आवाज, नाम और गायन शैली के दुरुपयोग पर सुरक्षा की मांग करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने अदालत में याचिका दायर कर अपने व्यक्तित्व और प्रचार अधिकारों को कानूनी सुरक्षा देने की गुहार लगाई है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की अदालत में सोमवार को होने की संभावना है। याचिका में कुमार सानू ने कहा है कि उनकी आवाज, गायन शैली, तकनीक, हावभाव, तस्वीरें, हस्ताक्षर और छवि जैसी व्यक्तिगत पहचान का बिना अनुमति व्यावसायिक इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे उनके नाम और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंच रहा है। कुमार सानू ने दावा किया है कि कुछ लोग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से उनकी आवाज और चेहरे की नकल कर रहे हैं। साथ ही उनके नाम से ऑडियो-वीडियो बनाकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड कर रहे हैं, जिनसे राजस्व अर्जित किया जा रहा है।

'आत्म दीपो भव' बुद्ध के इस सिद्धांत को बनाए मां लक्ष्मी की आराधना का आधार

'आत्म दीपो भव' अर्थात् स्वयं अपने दीप बनो। यह संदेश महात्मा बुद्ध द्वारा न सिर्फ अपने अनुयायियों बल्कि संपूर्ण मानव जाति को दिया गया। प्रश्न यह उठता है कि स्वयं का दीप कैसे बना जा सकता है ? उत्तर अत्यंत सहज है अपनी आत्मा के साक्षात्कार द्वारा। पुनः प्रश्न उठता है कि आत्मसाक्षात्कार की प्राप्ति का मार्ग क्या है ? इसका उत्तर है स्व की पहचान इसके लिए भारतीय संस्कृति में अनेक ऋषियों - मनीषियों ने हमारा मार्गदर्शन किया है ध्यान योग के द्वारा उन्होंने स्व अर्थात् आत्मतत्व को पहचाना, हमारे सूक्ष्म शरीर में स्थित शक्ति व ऊर्जा के केंद्रों की पहचान की, उनकी जागृति के साधनों का पता लगाया और मानव जाति को परमात्मा से एकाकारिता की राह दिखाई। रामायणकालीन, महाभारतकालीन, वैदिक काल के ऋषियों से लेकर श्री गौतम बुद्ध, महावीर स्वामी, आदिशंकराचार्य, संत ज्ञानेश्वर, गुरुनानक देव, कबीरदास व अनेकानेक संतों ने इसी मार्ग पर चलने का संदेश मानव जाति को दिया। उपरोक्त सभी व अन्यान्य मनीषियों ने कुंडलिनी जागरण द्वारा सात शक्ति केन्द्र सूक्ष्म चक्र, सूक्ष्म नाड़ियों आदि की जागृति की बात की परंतु यह ज्ञान इसकी क्लिष्ट भाषा के कारण साधारण मनुष्य की समझ के परे रहा।

साधकों की इसी कठिनाई को आदिशक्ति श्री माताजी ने सहजयोग ध्यान पद्धति द्वारा अत्यंत ही सहज बना दिया है। साधारण मनुष्य भी बड़ी ही सहजता से सूक्ष्म शरीर में कुंडलिनी, चक्रों व नाड़ियों के ज्ञान को प्राप्त कर पाता है प्रतिदिन के सरल व संक्षिप्त अभ्यास के द्वारा इनकी जागृति कर इनकी शक्तियों से साक्षात् कर आत्मसाक्षात्कार को प्राप्त करता है। इस प्रकाश पर्व दीपावली पर आप सभी अपने आत्म दीप को प्रज्ज्वलित कर मां लक्ष्मी को स्वयं अपने अंतस में जागृत करने हेतु सहजयोग का अनुभव प्राप्त करें। इस संबंध में अधिक जानकारी टोल फ्री नं – 1800 2700 800 अथवा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा से प्राप्त कर सकते हैं। सहजयोग पूर्णतया निःशुल्क है।

राजू बाजेवाला की शूटिंग इंदौर में जोरों पर

डायरेक्टर पलाश मुछाल और हीरो चंदन रॉय से रणजीत टाइम्स की विशेष बातचीत

रिपोर्टर-रेणु कैथवास

इंदौर। इंदौर की मनमोहक लोकेशनों पर इन दिनों फिल्म "राजू बाजेवाला" की शूटिंग धूमधाम से चल रही है। इस फिल्म का निर्देशन मशहूर संगीतकार और युवा फिल्म निर्देशक पलाश मुछाल कर रहे हैं। वहीं मुख्य भूमिका में नजर आएंगे चर्चित अभिनेता चंदन रॉय, जिन्होंने पंचायत जैसी लोकप्रिय वेब सीरीज़ में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीता था।

फिल्म सेट पर रंजीत टाइम्स की मौजूदगी- फिल्म की शूटिंग के दौरान रंजीत टाइम्स न्यूज़ चैनल की प्रतिनिधि रेणु कैथवास ने निर्देशक पलाश मुछाल और हीरो चंदन रॉय से खास मुलाकात की।

पलाश मुछाल ने बातचीत में बताया » "राजू बाजेवाला एक आम व्यक्ति की असाधारण यात्रा की कहानी है। इसमें संघर्ष, उम्मीद और सपनों का मेल है। इस फिल्म से दर्शकों को मनोरंजन के साथ एक सामाजिक संदेश भी मिलेगा।"

वहीं चंदन रॉय ने कहा » "मुझे इस फिल्म की कहानी से गहरा जुड़ाव महसूस हुआ। पलाश जी के साथ काम करना बेहद शानदार अनुभव है। इंदौर की जनता का प्यार और सहयोग देखकर मन खुश हो गया।"

संगीत और कहानी का मेल पलाश मुछाल ने बताया कि इस फिल्म में संगीत एक प्रमुख भूमिका निभा रहा है।

» "हर गीत में भावना है, हर सुर में कहानी की रफ्तार है। हमने इस फिल्म में मध्यप्रदेश की मिट्टी की खुशबू को भी शामिल किया है।"

रेणु कैथवास की टिप्पणी

"इंदौर अब सिर्फ व्यापार और पर्यटन का नहीं, बल्कि फिल्म निर्माण का भी बड़ा केंद्र बनता जा रहा है। 'राजू बाजेवाला' जैसी फिल्में इस दिशा में एक नई शुरुआत हैं।"

अंत में

'राजू बाजेवाला' सिर्फ एक मनोरंजन फिल्म नहीं, बल्कि जीवन के संघर्ष और उम्मीदों का प्रतीक है। इंदौर में हो रही शूटिंग ने यह साबित कर दिया है कि यह शहर अब बॉलीवुड की नई मंज़िल बनने की ओर बढ़ रहा है।

दैनिक रणजीत टाइम्स
जिला एवं तहसील स्तर पर
एजेंसी देना है
अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।
सम्पर्क करें
8224951278 :: 9827068888

जन्मदिन की अग्रिम शुभ सूचना
"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क प्रकाशित करवा सकते हैं!
बस हमें भेजिए: 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो
2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।
भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278
रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"
रणजीत टाइम्स

भगवान श्रीराम ने संबंधों को हृदय की शुद्धता से जोड़ा

मुख्यमंत्री बोले-भगवान राम ने जाति,वर्ग या रूप से नहीं रखा संबंध,प्रेम और अपनत्व को दिया महत्व

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि महर्षि वाल्मीकि ने श्रीराम के चरित्र 'रामायण' के रूप में मानवता को अनुपम उपहार दिया है। महार्षि वाल्मीकि की वाणी से जो रामायण निकली वह केवल ग्रंथ नहीं भारत की आत्मा है। उनकी रामायण में समरसता केवल एक विचार नहीं, बल्कि जीता-जागता संदेश है। उन्होंने भगवान श्रीराम के जीवन के माध्यम से दिखाया कि ईश्वर की दृष्टि में सब समान हैं। भगवान श्रीराम ने निषादराज को मित्र बनाया, शबरी माता के झूठे बेर प्रेम से खाए, श्री हनुमान और वानर सेना को परिवार की तरह गले लगाया और धर्म युद्ध में सबको साथ लेकर चले। मुख्यमंत्री ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का आचरण हमें सिखाता है कि सच्ची

समरसता वही है, जहां सबमें परमात्मा का अंश देखा जाए। उनका जीवन इसी भावना का मूर्त रूप है। भगवान श्रीराम के चरित्र को शब्दों में पिरोने वाले आदि कवि महर्षि वाल्मीकि अजर-अमर रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को महर्षि वाल्मीकि जयंती प्रकटोत्सव के अवसर पर भोपाल के मानस भवन में 'समरसता सम्मेलन' को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और राज्यसभा सांसद एवं पीठाधीश्वर श्री क्षेत्र वाल्मीकि धाम, उज्जैन श्री बालयोगी उमेशनाथ महाराज ने दीप प्रज्ज्वलन कर सम्मेलन का विधिवत् शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि समाज के सतत् विकास की पहली जरूरत सामाजिक समरसता है, जो साहचर्य और भाईचारे की भावना से जन्म लेती है। समरसता केवल एक विचार नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है। जब समाज आपसी सौहार्द्र, प्रेम और अपनत्व की भावना से मिल-जुलकर चलता है, तभी कोई राष्ट्र सशक्त और समृद्ध बनता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सच्ची समरसता वहीं है, जहां सबमें परमात्मा का अंश देखा जाएगा।

न्यू टेक्नोलॉजी, उन्नत बीज मछली उत्पादन पर जोर

पीएम मोदी ने किसानों को दिया खेती से पैसे कमाने वाला सक्सेस मंत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को नई दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में आयोजित विशेष कृषि कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों से आए किसानों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और उनसे बातचीत की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं भी उपस्थित थीं, जिन्होंने कृषि से जुड़ी अपनी उपलब्धियां और अनुभव साझा किए। पीएम मोदी ने किसानों से कृषि उत्पादन, नई तकनीकों और फसल विविधता के महत्व के बारे में चर्चा की। उन्होंने किसानों को खेती के आधुनिक तरीकों को अपनाने और उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रधानमंत्री ने किसानों को आय बढ़ाने और अपनी कृषि

गतिविधियों को अधिक लाभकारी बनाने के कई सुझाव दिए। उन्होंने फसलों की गुणवत्ता सुधारने, उचित बीज और तकनीक के उपयोग से बेहतर पैदावार प्राप्त करने पर जोर दिया। इसके अलावा, उन्होंने मत्स्य उद्योग और अन्य कृषि-आधारित उद्योगों में भी किसानों को निवेश और नवाचार करने की सलाह दी, ताकि उनकी आय में सुधार हो और वे आत्मनिर्भर बन सकें। किसानों ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी का धन्यवाद किया और केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की सराहना की, जिनसे उन्हें कृषि कार्यों में प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त हुआ। पीएम मोदी ने किसानों को खेती में गुणवत्ता, उत्पादन और नवाचार पर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया।

वेस्ट बंगाल स्टूडेंट गैंगरेप केस में पुलिस का ऐक्शन

3 आरोपी गिरफ्तार,2 फरार, पीड़ित का दोस्त भी हिरासत में

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में मेडिकल स्टूडेंट से गैंगरेप केस में पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया। 2 आरोपी अभी भी फरार हैं। सभी पास के गांव के रहने वाले हैं।

- मोबाइल टावर की लोकेशन से चला सभी आरोपियों का पता

पुलिस ने बताया कि आरोपियों के पास पीड़ित का मोबाइल था। इससे कॉल किया गया था। टावर लोकेशन से आरोपियों की जानकारी मिली। पुलिस के मुताबिक, घटना कोलकाता से 170 किमी दूर दुर्गापुर के एक प्राइवेट मेडिकल कॉलेज के ठीक सामने 10 अक्टूबर की रात 8 से 10 बजे के बीच हुई। पीड़ित अपने दोस्त के साथ डिनर के लिए निकली थी। कैंपस गेट पर 3 युवक खड़े थे। पीड़ित के मुताबिक, युवकों ने उसका मोबाइल छीना, फिर बाल

पकड़कर कैंपस गेट के सामने जंगल में घसीटकर ले गए। तीनों ने उसका रेप किया। इस दौरान उसका दोस्त वहां से भाग गया था। पुलिस ने बताया, पीड़ित ओडिशा की रहने वाली है।

तमिलनाडु की दवा कंपनी में हुई लापरवाही पर होगी कार्यवाही

- उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल बोले-कफ सिरप निर्माताओं की करें सघन जांच

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने निवास कार्यालय भोपाल में खाद्य एवं औषधि प्रशासन व्यवस्था की वृहद समीक्षा की। उन्होंने छिंदवाड़ा की दुखद घटना पर की जा रही कार्रवाई की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु शासन एवं प्रशासन से सतत संपर्क में रहकर दोषियों सख्त कार्यवाही चिन्हांकन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर अपराध है जिसमें मध्यप्रदेश ने अपने अनमोल चिरागों को खोया है। इस घटना में लिप्त निजी कंपनी के कर्मचारियों के साथ-साथ ऐसे अधिकारी जिन्होंने जांच में कोताही बरती है, उन पर भी कार्यवाही होनी चाहिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि घटना में तथ्यात्मक और प्रक्रियात्मक त्रुटियों को स्पष्ट करते हुए संबंधित अधिकारियों की भूमिका का स्पष्ट चिन्हांकन कर तमिलनाडु शासन को पत्राचार कर अवगत कराया जाए।

उन्होंने कहा कि इस मामले में कठोर कार्यवाही नितांत आवश्यक है जिससे दोषियों पर कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित हो। साथ ही अन्य ड्रग मैन्युफैक्चरर सजग हों और नियमों का पालन सुनिश्चित हो। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने व्यापक पैमाने पर अभियान चलाकर सीडीएससीओ के साथ संयुक्त रूप से मध्यप्रदेश के कफ सिरप निर्माताओं की सघन जांच के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि औषधियों की गुणवत्ता, विक्रय व्यवस्था और कोडीन आधारित दवाओं के दुरुपयोग के नियंत्रण के लिए नियमों का सख्त पालन सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने कहा कि राज्य एवं केंद्रीय औषधि नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की संयुक्त जांच में कोल्ड्रिफ सिरप, रिलाइफ सिरप और रिस्पीफ्रेश टीआर सिरप की गुणवत्ता संदिग्ध पाई गई है। इन उत्पादों की बिक्री, स्टॉक और जब्ती संबंधी कार्यवाही की दैनिक मॉनिटरिंग करें।

चिदंबरम बोले-ऑपरेशन ब्लू स्टार 'गलत तरीका' था

- ये केवल इंदिरा गांधी का फैसला नहीं था,उन्होंने इसकी कीमत जान देकर चुकाई

कसौली (एजेंसी)। वरिष्ठ कांग्रेसी और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने कहा, जून 1984 में अमृतसर के स्वर्ण मंदिर से उग्रवादियों को बाहर निकालने के लिए चलाया गया ऑपरेशन ब्लू स्टार गलत तरीका था। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इस गलती की कीमत अपनी जान देकर चुकाई। हालांकि यह फैसला अकेले इंदिरा गांधी का नहीं था। इसमें आर्मी, पुलिस, इंटेलीजेंस और प्रशासनिक अफसर भी शामिल थे।

बेची थी मंदिर की जमीन, खाते में थे 9 करोड़...

महंत राम मिलन की मौत की वजह कहीं ये तो नहीं?

अयोध्या (एजेंसी)। रामघाट इलाके में करीब चार बिस्वा में फैले रावत मंदिर में सन्नाटा पसरा है। बाहर से यहां शिष्यों का लगातार आना-जाना लगा हुआ है। पुलिस की टीमें कई लोगों से जानकारी जुटा रही हैं। महंत राम मिलन दास रामायणी की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत का सच क्या है, हर कोई जानना चाहता है। 13 साल से महंत की सेवा कर रही शकुंतला को पुलिस ने हिरासत में ले रखा है। उससे शनिवार शाम को हुई घटना के बारे में पूछताछ की जा रही है। महंत राम मिलन दास के शिष्यों के मुताबिक, कुछ दिन पहले रावत मंदिर की एक जमीन बिकी थी। उसके आठ करोड़ रुपये महंत के बैंक खाते में रखे थे। इसके

अलावा पहले से डेढ़ करोड़ की रकम जमा थी। पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है कि कहीं महंत की मौत वजह ये पैसे तो नहीं। ऐसा तो नहीं कि किसी ने इन पैसों को हड़पने के लिए महंत को मारने की साजिश रच दी हो। भोजन के तुरंत बाद महंत के मुंह से झाग आना किसी न किसी षडयंत्र की तरफ इशारा करता है। अंदेशा जताया जा रहा है कि उनको खाने में जहर मिलाकर दे दिया गया होगा। शिष्यों ने बताया कि सेविका शकुंतला करीब 13 साल से महंत की सेवा कर रही है। इससे पहले उसकी मां रावत मंदिर में सेविका थी। महंत ने शनिवार को शाम 7 बजे भोजन किया था।

केरल फिर देश का रोल मॉडल,अत्यंत गरीबी खत्म की

ऐसा करने वाला वह दक्षिण एशिया का पहला राज्य बना

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के कोट्टायम में 63 साल की स्वर्णम्मा रहती हैं। विधवा हैं। पूरा जीवन किराए के घर में रहीं। एक दिन जिला प्रशासन की टीम घर पहुंची। 10 लाख रुपए दिए, ताकि वो घर बनाएं और बचत करें। स्वर्णम्मा ने 6 लाख रु. में 3 सेंट (1306 वर्ग फीट) जमीन खरीदी। जिस पर अब घर बन रहा है। स्वर्णम्मा जैसे केरल में 64 हजार परिवारों के 1.03 लाख लोग और हैं, जिन्होंने अत्यंत गरीबी में जीवन गुजारा। अब उनकी जिंदगी बदल गई है। सरकार और सामाजिक भागीदारी से केरल एक बार फिर देश के लिए रोल मॉडल बनने जा रहा है। इस राज्य ने अपने यहां से 'अत्यंत गरीबी' खत्म कर दी है। इसकी आधिकारिक घोषणा एक नवंबर को होगी। इसी के साथ केरल ऐसा करने वाला देश

और दक्षिण एशिया का भी पहला राज्य होगा। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र के अनुसार जिनकी आय 158.10 रु. प्रतिदिन से कम है, वो अत्यंत गरीब की कैटेगरी में आते हैं।

मानवीय गरिमा को गरीबी का आधार बनाया

केरल को अत्यंत गरीबी से बाहर निकालने की शुरुआत 2021 में हुई। राज्य सरकार ने 1300 सर्वेयर की टीम 14 जिलों में उतारीं जिनके पास भोजन, स्वास्थ्य, आय और आवास नहीं थे, उन्हें चुनने का टास्क दिया गया। वार्डों/डिवीजनों से भागीदारी नामांकन, उप-समितियों द्वारा शॉर्ट लिस्टिंग, एक मोबाइल एप का इस्तेमाल करके साक्षात्कार और ग्राम सभाओं द्वारा अंत तक अंतिम सत्यापन किया गया।